दिनाँक 03.10.2024 को आयोजित जिला पेयजल एवं स्वच्छता मिशन की बैठक का कार्यवृत्त :–

जल जीवन मिशन 'हर घर जल' कार्यक्रम के अन्तर्गत जनपद लखनऊ के ग्रामीण क्षेत्रों की पाइप पेयजल योजनाओं के कार्यों की प्रगति हेतु दिनांक 03.10.2024 को कलेक्ट्रेट सभागार, लखनऊ में अपोहस्ताक्षरी की अध्यक्षता मे आहूत बैठक में निम्नलिखित अधिकारियो/फर्म प्रतिनिधियों द्वारा प्रतिभाग किया गया :–

1. श्री अजीत कुमार सिंह, जिला विकास अधिकारी, लखनऊ।
2. श्री विकास मिश्र, परियोजना निदेशक, लखनऊ।
3. श्री मनोज कुमार मौर्य, अधिशासी अभियन्ता, खण्ड कार्यालय, उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण), लखनऊ।
4. श्री सुरेन्द्र प्रताप सिंह, सहायक अभियन्ता,खण्ड कार्यालय,उ0प्र0 जल निगम(ग्रामीण), लखनऊ।
5. श्री विवेक सिंह, सहायक अभियन्ता, खण्ड कार्यालय, उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण), लखनऊ।
6. श्री अमित वर्मा, सहायक अभियन्ता, खण्ड कार्यालय, उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण), लखनऊ।
7. श्री अवधेश कुमार, सहायक अभियन्ता, खण्ड कार्यालय, उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण), लखनऊ।
8. श्री पवन पाण्डे, जूनियर इंजीनियर (वि0/यॉ0), खण्ड कार्यालय, उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण), लखनऊ।
9. श्री शिवशंकर कनौजिया, जूनियर इंजीनियर, खण्ड कार्यालय, उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण), लखनऊ।
10. श्री मो0 ताबिश, जूनियर इंजीनियर, खण्ड कार्यालय, उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण), लखनऊ।
11. श्री हरपाल सिंह, जिला समन्वयक, डी0पी0एम0यू0, लखनऊ।
12. श्री सुमित भटनागर, सी0बी0 एण्ड टी0, डी0पी0एम0यू0, लखनऊ।
13. श्रीमती शैलेन्द्री तिवारी, आई0एस0ए0 कॉर्डिनेटर, डी0पी0एम0यू0, लखनऊ।
14. श्री आर0के0 चौहान, ए0जी0एम0, मै0 एन0सी0सी0लि0, हैदराबाद।
15. श्री हरि कृष्णा, प्रोजेक्ट मैनेजर, मै0 एन0सी0सी0लि0, हैदराबाद।
16. श्री सतवीर, डी0पी0एम0, मै0 एन0सी0सी0लि0, हैदराबाद।
17. श्री रामाराजू, डी0पी0एम0, मै0 एन0सी0सी0लि0, हैदराबाद।
18. श्री प्रवीण ठाकरे, डी0टी0एल0, मै0 सेन्सिस्त टेक लि0, लखनऊ।

बैठक का कार्यवृत्त निम्नानुसार है–

- समीक्षा बैठक में अधिशासी अभियन्ता, जल निगम द्वारा अवगत कराया गया कि जनपद लखनऊ हेतु नामित फर्म मै0 एन0सी0सी0लि0, हैदराबाद द्वारा जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों में पाइप पेयजल योजना से असंतृप्त 669 नग राजस्व ग्रामों के संतृप्तिकरण हेतु कुल 376 नग पेयजल योजनाओं पर निर्माण कार्य प्रगति पर है।
- फर्म के प्रतिनिधि द्वारा अवगत कराया गया कि 04 नग पेयजल योजनाओं पर भूमि विवाद एवं 13 नग पेयजल योजनाएं जिनमे 02 ग्राम पंचायत सम्मिलित कर योजनाए बनायी गयी है, जिस ग्राम पंचायत मे शिरोपरि जलाशय नही बनाया गया है, उस ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधान/ग्रामवासियों द्वारा कार्य प्रारम्भ नही करने दिया जा रहा है, जिस कारण पेयजल योजना का निर्माण कार्य प्रभावित हो रहा है। बैठक मे उपस्थित अधिशासी अभियन्ता, उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण) को निर्देश दिये गये कि सम्बन्धित उपजिलाधिकारी से सम्पर्क स्थापित कर शीघ्र ही भूमि विवाद का निस्तारण कराना सुनिश्चित करें, साथ ही जिला पंचायत राज अधिकारी से सम्पर्क स्थापित करके जिन

योजनाओं पर प्रधान द्वारा कार्य करने नहीं दिया जा रहा है, उनमें अतिशीघ्र कार्य प्रारम्भ कराया जाए।

- समीक्षा बैठक में यह पाया गया कि 441 नग नलकूप के सापेक्ष 430 नग कार्य पूर्ण, 441 नग पम्प गृह के सापेक्ष 434 नग कार्य पूर्ण, 380 नग शिरोपरि जलाशय के सापेक्ष मात्र 101 नग कार्य पूर्ण, वितरण प्रणाली 4940 कि0मी0 के सापेक्ष 4803 कि0मी0 कार्य पूर्ण, 218809 नग गृह संयोजन के सापेक्ष 200488 नग कार्य पूर्ण, 669 राजस्व ग्रामों में सड़क पुर्नस्थापना के कार्यों के सापेक्ष 438 राजस्व ग्राम में कार्य पूर्ण एवं 669 नग राजस्व ग्रामों में हर घर जल प्रमाणीकरण के सापेक्ष 128 नग राजस्व ग्राम ही सत्यापित हो सके हैं।

उपरोक्तानुसार यह प्रतीत होता है कि शिरोपरि जलाशय, सड़क पुर्नस्थापना एवं हर घर जल प्रमाणीकरण में कार्यदायी संस्था द्वारा काफी शिथिलता बरती गयी है। 02 वर्ष से अधिक का समय व्यतीत हो जाने के उपरान्त भी शिरोपरि जलाशय के कार्य न पूर्ण होना, कार्य स्थल पर सामाग्री/मैन पावर की कमी को दर्शाता है।

उक्त के सम्बन्ध में फर्म के प्रतिनिधि को निर्देश दिये गये कि अवशेष कार्यों को पूर्ण करने हेतु अपनी कार्य योजना प्रस्तुत करते हुए पेयजल योजना के समस्त अवशेष कार्यों में समानान्तर अतिरिक्त टीम लगाते हुए गुणवत्तापूर्वक कार्यों को अविलम्ब पूर्ण कर योजना हस्तानान्तरण की कार्यवाही सुनिश्चित करें।

- समीक्षा बैठक में टी0पी0आई0 द्वारा अवगत कराया गया कि 669 नग राजस्व ग्रामों के सापेक्ष 553 नग राजस्व ग्रामों में नियमित जलापूर्ति की जा रही है, परन्तु मात्र 126 नग राजस्व ग्रामों में ही क्लोरीनयुक्त जलापूर्ति की जा रही है, जो काफी खेदजनक है। फर्म के प्रतिनिधि को निर्देशित किया गया कि 15 दिवस के अन्दर समस्त योजनाओं पर क्लोरीन प्लान्ट स्थापित करते हुए क्लोरीनयुक्त जलापूर्ति सुनिश्चित करायी जाये।
- समीक्षा बैठक में टी0पी0आई0 द्वारा अवगत कराया गया कि कार्यों की गुणवत्ता/प्रगति से सम्बन्धित 3157 नग एन0सी0 फर्म को उपलब्ध करायी जा चुकी है, परन्तु वर्तमान तक 2497 नग एन0सी0 (79.00 प्रतिशत) ही क्लोज की गयी है, जिसकी प्रगति काफी कम है। अधिशासी अभियन्ता को निर्देशित किया गया कि टी0पी0आई0 से प्राप्त एन0सी0 की समीक्षा कर फर्म से अवशेष एन0सी0 को क्लोज कराना सुनिश्चित करें।
- समीक्षा बैठक में टी0पी0आई0 द्वारा अवगत कराया गया कि जल जीवन मिशन के अन्तर्गत कराये जा रहे कार्यों में मै0 एन0सी0सी0लि0 द्वारा सुरक्षा मानक का ध्यान नहीं दिया जा रहा है। फर्म के प्रतिनिधि को निर्देशित किया गया कि कार्य करने वाले श्रमिकों की सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए तत्काल प्रभाव से सुरक्षा मानक सामाग्री उपलब्ध करायें अन्यथा किसी प्रकार की दुर्घटना होने की दशा में फर्म के विरूद्ध विधिक कार्यवाही की जायेगी।
- समीक्षा बैठक में टी0पी0आई0 द्वारा अवगत कराया गया कि पेयजल योजनाओं के अन्तर्गत दिये जाने वाले गृह संयोजन को घर के बाहर ही दिया जा रहा है, साथ ही कुछ कनेक्शन के पाइप नालियों से होकर गुजर रहे है, जिससे नालियाँ चोक होने एवं लीकेज होने पर प्रदूषित जल आने की प्रबल सम्भावना है। फर्म के प्रतिनिधि को घर के बाहर दिये गये कनेक्शन को घर के अन्दर करने एवं कनेक्शन हेतु डाले जा रहे पाइप को ठीक ढग से कनेक्शन देने हेतु निर्देशित किया गया।
- समीक्षा बैठक में सड़क पुर्नस्थापना की समीक्षा के दौरान यह पाया गया कि वितरण प्रणाली बिछाये जाने के दौरान कुल 2334 कि0मी0 सड़क काटी गयी थी, जिसके सापेक्ष वर्तमान तक 2149 कि0मी0 सड़क पुर्नस्थापित कर दिया गया है, वर्तमान में 185 कि0मी0 सड़क पुर्नस्थापना का कार्य अवशेष है। अभी भी सड़क पुर्नस्थापना के कार्यों की प्रगति संतोषजनक नहीं है। सड़क पुर्नस्थापना की शिकायतें विभिन्न स्तरों से भारी मात्रा में प्राप्त हो रही है। फर्म के प्रतिनिधि को

निर्देशित किया गया कि टी0एण्डपी0 एवं श्रमिकों की संख्या में वृद्धि लाते हुए उच्च गुणवत्ता को ध्यान रखते हुए 07 दिवस के अन्दर सड़क पुर्नस्थापना के समस्त कार्य पूर्ण कर लिए जाये। साथ ही खण्ड विकास अधिकारी से प्राप्त प्रतिशत सड़क पुर्नस्थापना के कार्य का प्रमाण पत्र प्राप्त कर अधिशासी अभियन्ता, उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण) को उपलब्ध कराए। जल निगम/एन0सी0सी0 ब्लाक इंचार्ज को निर्देशित किया गया कि समस्त ग्राम प्रधानों से नियमित सम्पर्क स्थापित करते हुए कार्यों में प्रगति लाए।

- समीक्षा बैठक में अधिशासी अभियन्ता, उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण) द्वारा अवगत कराया गया कि कार्यों से सम्बन्धित आर0एफ0आई0 प्रतिदिन उपलब्ध नहीं करायी जाती है, जिस कारणवश जल निगम के अभियन्ताओं/टी0पी0आई0 द्वारा कार्यों की जाँच करने में असुविधा होती है। उक्त के सम्बन्ध में फर्म को निर्देशित किया गया कि योजना से सम्बन्धित कार्यों को कराने से 01 दिन पूर्व जनपद में कराये जा रहे समस्त कार्यों की आर0एफ0आई0 की एक पी0डी0एफ0 फाइल जल निगम के अभियन्ताओं/टी0पी0आई0 को उपलब्ध करने के निर्देश दिये गये।
- बैठक में उपस्थित डी0सी0, डी0पी0एम0यू0 को निर्देशित किया गया कि जल जीवन मिशन कार्यक्रम के अन्तर्गत गठित ग्राम पेयजल एवं स्वच्छता समिति को क्रियाशील किया जाये तथा उन्हें पानी के दुरुपयोग रोकने, खराब पानी से होने वाली बीमारियों के प्रति जन मानस को जागरूक किया जाये। साथ ही पूर्ण हुई योजनाओं पर जलकर वसूली के लिए आई0एस0ए0 के माध्यम से जागरूकता अभियान चलाया जाये।

15/10/23

(अजीत कुमार सिंह)
जिला विकास अधिकारी
लखनऊ।

पृ0सं0 एवं दिनांक उपरोक्तानुसार।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सादर अवलोकनार्थ :-

1. जिलाधिकारी महोदय, लखनऊ।
2. मुख्य विकास अधिकारी महोदय, लखनऊ।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः-

3. अधिशासी अभियन्ता, खण्ड कार्यालय, उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण), लखनऊ।
4. मै0 एन0सी0सी0लि0, लखनऊ।
5. टी0पी0आई0, मै0 सेन्सिस टैक लि0, लखनऊ।
6. डी0सी0, डी0पी0एम0यू0, लखनऊ।
7. समस्त आई0एस0ए0, लखनऊ।

15/10/23

जिला विकास अधिकारी
लखनऊ।